एन.आई.ओ.एस/शैक्षिक/2021/328/18/हिंदी

राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान

उच्चतर माध्यमिक

अध्याय -18

व्यक्तित्व के सिद्धान्त

कार्यपत्रक - 18

1. एक आम आदमी या मनोवैज्ञानिक के लिए व्यक्तित्व समान रुचि का होता है। व्यक्तित्व शब्द की आम आदमी की समझ और मनोवैज्ञानिकों द्वारा दी गई परिभाषा की तुलना कीजिये ।
2. "व्यक्तित्व को समझना एक कठिन और चुनौतीपूर्ण कार्य साबित हुआ है"। आपकी राय में, क्या दिया गया कथन प्रासंगिक है? आपने जवाब का औचित्य साबित कीजिये |
3. फ्रायड का मानना था कि व्यक्तित्व हमारे आक्रामक और आनंद-प्राप्त आवेगों और प्रवृत्ति के बीच संघर्ष का परिणाम है। फ्रायड के व्यक्तित्व की संरचना की व्याख्या कीजिए।
4. अहम् और ईद की मांगों और अत्यधिक अहम् की नैतिक स्थिति के बीच मध्यस्थता का कठिन कर्तव्य करता है। लेकिन इसका समाधान निकालना हमेशा संभव नहीं होता है। ऐसे मामलों में अहंकार किन प्रक्रियाओं का उपयोग करता है? समझाओ।
5. व्यक्तित्व के लक्षण सिद्धांत तथा व्यक्तित्व के मनोविश्लेषणात्मक सिद्धांतों से कैसे भिन्न हैं।
6. पिछले पाठ में, हमने स्व क्षमता के बारे में बात की थी। बताएं कि अल्बर्ट बंडुरा के व्यक्तित्व सिद्धांत में स्व क्षमता को कैसे शामिल किया है।
7. एक मनोवैज्ञानिक मानवतावादी दृष्टिकोण का अनुसरण करता है। दी गई जानकारी से कौन-सी धारणाएँ तैयार की जा सकती हैं ? कारणों सहित अपने उत्तर का समर्थन कीजिये|
8. अपनी आदतों को पहचानें और सूचीबद्ध करें जो तीन गुणों (सत्व, रज, तमस) के अंतर्गत आती हैं।

9. किसी व्यक्ति के व्यक्तित्व का आकलन करने के लिए कम से कम 10-15 प्रश्नों के साथ एक साक्षात्कार तैयार कीजिये।
10. व्यक्तित्व विकास की प्रक्रिया को प्रभावित करने वाले कारकों की विवेचना कीजिए।